



Scan to Read in
Details

एसआईआर विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

‘हमने मॉडिफाइड फॉर्म-6 को मंजूरी नहीं दी, गैरकानूनी काम हुआ तो भुगतने होंगे नतीजे’

एजेंसी

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी SIR (Special Intensive Revision) को लेकर चल रहे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण टिप्पणी की। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसने किसी भी मॉडिफाइड फॉर्म-6 को मंजूरी नहीं दी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि प्रक्रिया के दौरान कोई गैरकानूनी काम हुआ है तो संबंधित लोगों को उसके नतीजे भुगतने होंगे। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब SIR की प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों और विभिन्न पक्षों की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया को लेकर भी कई तरह की आपत्तियां सामने आई हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि उसके आदेश या टिप्पणियों का इस्तेमाल किसी ऐसी प्रक्रिया को वैध ठहराने के लिए नहीं किया जा सकता, जिसकी अदालत ने अनुमति ही नहीं दी है। कोर्ट ने कहा कि यदि किसी स्तर पर कानून या निर्धारित प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है तो उसके लिए जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। फॉर्म 6 का विवाद चुनाव आयोग के एक अतिरिक्त एसआईआर डिक्लरेशन से जुड़ा है, जिसमें नए वोटों को पुरानी वोटर लिस्ट से लिंक देने की जरूरत होती है। चुनाव आयोग का कहना था कि यह सिर्फ एक एनेक्शर है, जबकि आलोचकों का तर्क था कि इसने तय कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना असल में एक कानूनी फॉर्म को बदल दिया। मामले



‘अदालत की मंजूरी का गलत मतलब न निकाला जाए’

सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि स्ट्रुक्चर प्रक्रिया में फॉर्म-6 की भूमिका अहम है। फॉर्म-6 का इस्तेमाल मतदाता सूची में नए मतदाता का नाम शामिल करने के लिए किया जाता है। ऐसे में इसके किसी संशोधित प्रारूप या प्रक्रिया को लेकर उठे सवाल सीधे मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े हैं। अदालत ने संकेत दिया कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और कानूनी प्रावधानों का पालन अनिवार्य है। किसी भी पक्ष को अदालत की कार्यवाही या आदेश का ऐसा अर्थ नहीं निकालना चाहिए जिससे किसी गैरकानूनी प्रक्रिया को वैधता मिलती हो।

एसआईआर को लेकर बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी

एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों के बीच भी लगातार आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। विपक्षी दलों की ओर से मतदाता सूची से वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जाने की आशंका जताई जा रही है, जबकि चुनावी प्रक्रिया से जुड़े पक्ष नियमों के अनुसार मतदाता सूची को अपडेट करने की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी स्ट्रुक्चर की प्रक्रिया पर चल रही कानूनी और राजनीतिक बहस के बीच बेहद अहम मानी जा रही है। अदालत आने वाले दिनों में इस मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर और स्पष्टता दे सकती है।

की सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि यह चुनौती एक राष्ट्रीय संस्था के तौर पर चुनाव आयोग के

कामकाज से जुड़ी है। वे सीईसी के कामकाज पर सवाल उठाने वाली अपनी दलीलों पर कायम हैं।

यूपी में भाजपा ने राज्यसभा के लिए 8 प्रत्याशियों का किया ऐलान

प्रियंका रावत और संतोष गंगवार की बेटी को टिकट

अमृत उजाला संवाददाता



प्रियंका रावत को फिर बड़ी जिम्मेदारी

बाराबंकी से पूर्व सांसद प्रियंका रावत भाजपा की सक्रिय नेताओं में शामिल रही हैं। वह लोकसभा का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। राज्यसभा के लिए उनके नाम की घोषणा को बाराबंकी और आसपास के क्षेत्रों में पार्टी के संगठनात्मक समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रियंका रावत को टिकट मिलने के बाद उनके समर्थकों में भी उत्साह है। भाजपा ने उन्हें उच्च सदन में भेजने का फैसला ऐसे समय किया है जब पार्टी उत्तर प्रदेश में अपने संगठन और राजनीतिक आधार को लगातार मजबूत करने में जुटी है।

उत्तर प्रदेश में उनका मजबूत राजनीतिक आधार माना जाता है। उनकी बेटी को राज्यसभा का टिकट दिए जाने को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण फैसला माना जा रहा है।

यूपी में राज्यसभा चुनाव को लेकर बढ़ी हलचल

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की सीटों का चुनाव हमेशा राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रदेश में विधानसभा में दलों की मौजूदा संख्या के आधार पर राज्यसभा चुनाव के नतीजों का गणित तय होता है। ऐसे में भाजपा द्वारा आठ उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाने के बाद अब सभी की नजरें चुनावी प्रक्रिया और अन्य दलों के प्रत्याशियों पर हैं। भाजपा के उम्मीदवारों के ऐलान के बाद विपक्षी दलों की रणनीति पर भी निगाहें टिक गई हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में समाजवादी पार्टी समेत अन्य दल भी अपने उम्मीदवारों के नाम स्पष्ट कर सकते हैं। राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवारों का चयन केवल संख्या का खेल नहीं होता, बल्कि इसके जरिए पार्टियां क्षेत्रीय संतुलन, जातीय समीकरण, संगठनात्मक निष्ठा और आगामी चुनावों की रणनीति को भी साधने की कोशिश करती हैं। भाजपा की मौजूदा सूची को भी इसी व्यापक राजनीतिक रणनीति के नजरिए से देखा जा रहा है।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं लोगों की समस्याएं, बोले- घबराइए नहीं, हर समस्या का समाधान कराएंगे

अमृत उजाला संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने एक-एक फरियादी के पास पहुंचकर उनकी शिकायत और परेशानी की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें और मांगें लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने फरियादियों से बातचीत के दौरान उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने फरियादियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि ‘घबराइए नहीं, हर समस्या का समाधान कराया जाएगा।’ उन्होंने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है। सीएम योगी



पुलिस और प्रशासन से जुड़े मामले भी पहुंचे

जनता दर्शन में जमीन, राजस्व, पुलिस, पारिवारिक विवाद, आर्थिक सहायता और अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़ी शिकायतें भी लोगों ने मुख्यमंत्री के सामने रखीं। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने विशेष रूप से अधिकारियों को निर्देश दिया कि कमजोर और जरूरतमंद लोगों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मामलों का समाधान स्थानीय स्तर पर संभव है, उन्हें अनावश्यक रूप से लंबित न रखा

जाए। शिकायतों की जांच निष्पक्ष तरीके से कराते हुए पात्र लोगों को समय पर राहत उपलब्ध कराई जाए।

Not all keys open the same life

Choose the one that leads to better living

Invest in Dholera, Gujarat

9580456295

Graphics are for illustration only. Actual design may vary.*



लखनऊ में शिक्षक अभ्यर्थियों का हंगामा, शिक्षा मंत्री का आवास घेरा, सड़क पर लेटे, पुलिस से धक्कामुक्की

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। शिक्षक भर्ती से जुड़ी मांगों को लेकर सोमवार को राजधानी लखनऊ में बड़ी संख्या में शिक्षक अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री के आवास की ओर बढ़े और वहां पहुंचकर घेराव किया। अपनी मांगों को लेकर अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी की और सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ अभ्यर्थी सड़क पर लेट गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच इस दौरान धक्कामुक्की भी हुई। प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया को लेकर लंबे समय से उनकी मांगें लंबित हैं।



उनका आरोप है कि नियुक्ति से जुड़े मामलों में स्पष्ट निर्णय नहीं होने के कारण उन्हें लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अभ्यर्थियों ने सरकार से भर्ती प्रक्रिया को जल्द



पूरा करने और लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे लंबे समय से नियुक्ति की उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन प्रक्रिया आगे



नहीं बढ़ पा रही है। प्रदर्शन के कारण आसपास के मार्गों पर यातायात भी प्रभावित हुआ। सड़क पर अभ्यर्थियों के बैठने और लेटने के कारण वाहनों की आवाजाही में परेशानी हुई। पुलिस

शिक्षा मंत्री के आवास के बाहर बढ़ा तनाव

अभ्यर्थियों के शिक्षा मंत्री के आवास की ओर पहुंचने के बाद पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच बहस और धक्कामुक्की की स्थिति बन गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने और सड़क से हटाने का प्रयास किया। लेकिन अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर मौके पर डटे रहे और नारेबाजी करते रहे।

ने स्थिति को संभालने के लिए यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने का प्रयास किया। अभ्यर्थियों ने सरकार से उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

यूपी में लैंड यूज बदलवाना हुआ आसान और सस्ता विकास प्राधिकरणों को मिला बड़ा अधिकार

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जमीन का भू-उपयोग यानी लैंड यूज बदलवाने की प्रक्रिया अब पहले के मुकाबले आसान और कम खर्चीली हो गई है। योगी सरकार ने 6,000 वर्गमीटर तक की जमीन के भू-उपयोग परिवर्तन का अधिकार संबंधित विकास प्राधिकरणों के बोर्ड को दे दिया है। इससे ऐसे मामलों के लिए शासन स्तर पर लंबी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। सरकार के इस फैसले के तहत विकास प्राधिकरण महायोजना में निर्धारित प्रत्येक भू-उपयोग श्रेणी की



अधिकतम एक प्रतिशत भूमि का भू-उपयोग बदल सकेगा। हालांकि ग्रीन बेल्ट, वन, मनोरंजन, सार्वजनिक सुविधाओं, परिवहन और तालाब जैसी निर्धारित जमीनों का भू-उपयोग परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा।

लैंड यूज परिवर्तन शुल्क भी घटा

सरकार ने भू-उपयोग परिवर्तन शुल्क में भी बड़ी राहत दी है। कृषि भूमि को आवासीय उपयोग में बदलने पर शुल्क सर्किल रेट के 50 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह कृषि भूमि को औद्योगिक उपयोग में बदलने पर शुल्क 20 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत, कृषि से व्यावसायिक उपयोग के लिए 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत और कृषि से कार्यालय उपयोग के लिए 100 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत किया गया है।

शासन के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं

पहले 6,000 वर्गमीटर तक की जमीन के भू-उपयोग परिवर्तन के लिए भी प्रस्ताव शासन स्तर पर भेजना पड़ता था। नई व्यवस्था में संबंधित विकास प्राधिकरण का बोर्ड ही निर्धारित सीमा के भीतर फैसला कर सकेगा। सरकार का मानना है कि इस बदलाव से समय और लागत दोनों की बचत होगी तथा निर्माण और निवेश से जुड़ी परियोजनाओं को तेजी मिलेगी। भू-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया को लेकर समयसीमा भी निर्धारित की गई है, ताकि आवेदनों का निस्तारण अनावश्यक रूप से लंबित न रहे। यह व्यवस्था उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास (भू-उपयोग परिवर्तन शुल्क का निर्धारण, उद्ग्रहण एवं संग्रहण) नियमावली-2014 के तृतीय संशोधन, 2026 के तहत लागू की गई है।

बहराइच में ग्राम प्रधान के घर 40 लाख की चोरी

7-8 किलो चांदी और 200 ग्राम सोना ले गए चोर

अमृत उजाला संवाददाता

बहराइच। बहराइच के खैरीघाट थाना क्षेत्र की संकल्पा ग्राम पंचायत की प्रधान के घर रविवार-सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने धावा बोला। चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर करीब 7-8 किलो चांदी, 200 ग्राम सोने के आभूषण और 70 हजार रुपये नकदी समेत लगभग 40 लाख रुपये का सामान चुरा लिया। सोमवार सुबह परिजनों के जागने पर चोरी का पता चला। प्रधान पति शेर अली ने बताया कि परिवार के लोग घर में सो रहे थे। इसी दौरान चोरों ने अलमारी से जेवरात और नकदी चुराई। सुबह जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। सुबह करीब सात बजे उपनिरीक्षक कवीन्द्र नाथ सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण



कर परिवार से जानकारी ली और जांच शुरू की। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में हाल ही में चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। रामपुर धोबियाहार, सैय्यद नगर में कोटेदार के घर और वैवाही चौकी के पास कारोबारी के घर भी चोरी हुई है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि जांच जारी है, तहरीर पर मुकदमा दर्ज होगा।

कतर्नियाघाट में वन्यजीव सप्ताह पर जागरूकता और स्वच्छता अभियान

अमृत उजाला संवाददाता

बहराइच। बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में वन्यजीव सप्ताह मनाया गया। सोमवार को विभिन्न रेंजों में जागरूकता कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं और स्वच्छता अभियान चलाए गए। इनके जरिए विद्यार्थियों व ग्रामीणों को वन्यजीव संरक्षण और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का संदेश दिया गया। इन कार्यक्रमों में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ, बाघ मित्र, स्थानीय निवासी और वन विभाग के कर्मचारी शामिल हुए। विद्यार्थियों ने 'वन और वन्यजीव-प्रकृति का अनमोल उपहार' तथा 'प्रकृति की नांव-वन्यजीव और वन' विषयों पर निबंध व चित्रकला प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। मौजूद लोगों ने सह-अस्तित्व बनाए रखने की शपथ ली। हरखपुर अपर प्राथमिक विद्यालय में वन्यजीव संरक्षण पर निबंध प्रतियोगिता के साथ बातचीत का सत्र भी हुआ। इसमें



विद्यार्थियों को मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने के तरीके बताए गए। 'प्लास्टिक को ना कहें' अभियान के तहत वनकर्मियों व ग्रामीणों ने प्लास्टिक कचरा इकट्ठा किया। कतर्नियाघाट रेंज की बिछिया बीट में स्टाफ और भवानीपुर के ग्रामीणों ने गेरुआ नदी के किनारे सफाई की। मूर्तिहा रेंज में भी परिसर व सार्वजनिक जगहों पर सफाई अभियान चलाकर वन क्षेत्रों को कचरा मुक्त रखने का संदेश दिया गया।

श्रावस्ती में 12 दिन बाद भी गांवों में अंधेरा 400 गांवों की बिजली लौटी, बाकी में काम जारी, विधायक ने सीएम से मांगे संसाधन

अमृत उजाला संवाददाता

श्रावस्ती। श्रावस्ती में भारी बारिश और तूफान के बाद चरमराई विद्युत व्यवस्था 12 दिन बाद भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट सकी है। सोमवार सुबह 8 बजे तक इकौना और जमुनहा क्षेत्र के कई ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। हालांकि अधिकांश शहरी क्षेत्रों, कस्बों और कई गांवों में आपूर्ति बहाल कर दी गई है, लेकिन कई गांवों के लोग अब भी बिजली का इंतजार कर रहे हैं। विद्युत विभाग का दावा है कि एक-दो दिन में जिलेभर में आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। बारिश और तेज आंधी के दौरान जगह-जगह बिजली के पोल टूटने और पेड़ गिरने से विद्युत लाइनों को भारी नुकसान पहुंचा था। इसके बाद से विभागीय टीमें क्षतिग्रस्त पोल और लाइनों की मरम्मत में जुटी हैं। विभाग के अनुसार, अब तक करीब 600 टूटे बिजली के पोल बदले जा चुके हैं। वहीं, ट्रांसफार्मर लगाकर करीब 400 प्रभावित गांवों में विद्युत आपूर्ति सामान्य कराई गई है। मौसम में बदलाव के बावजूद



दिन में धूप और गर्मी लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। वहीं, रात में बिजली न होने से अंधेरे और उमस के बीच लोगों को रहना पड़ रहा है। घरों में पंखे और अन्य विद्युत उपकरण बंद रहने से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली पर निर्भर कारोबार भी प्रभावित हैं। दुकानदारों को पर्याप्त रोशनी और अन्य सुविधाएं नहीं मिलने के कारण समय से पहले दुकानें बंद करनी पड़ रही हैं। इससे उनके कारोबार और आमदनी पर असर पड़ रहा है। जिले की विद्युत व्यवस्था को लेकर

भाजपा विधायक पंडित राम फेरन पांडेय ने बीते शुक्रवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। विधायक ने क्षेत्र में बिजली संकट की स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्हें जल्द समस्या का समाधान कराने का आश्वासन मिला था। अब ग्रामीणों को विभाग के मरम्मत कार्य में तेजी आने और जल्द बिजली संकट से राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, विभाग ने एक-दो दिन में पूरे जिले में आपूर्ति बहाल करने का दावा किया है। अब देखना होगा कि यह दावा कितना पूरा हो पाता है।



लखनऊ में बाढ़ से हाहाकार, कई कॉलोनियों से पलायन, प्लासियो मॉल तक पहुंचा गोमती का पानी



अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ के हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। नदी का पानी आसपास के निचले इलाकों और रिहायशी कॉलोनियों

में तेजी से फैल रहा है। कई इलाकों में घरों और सड़कों तक पानी पहुंचने के बाद लोगों ने सुरक्षित स्थानों की ओर जाना शुरू कर दिया है। हालात को देखते हुए प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। गोमती नदी के बढ़ते जलस्तर का असर

शहर के प्रमुख और व्यस्त इलाकों तक दिखाई देने लगा है। प्लासियो मॉल के आसपास भी गोमती का पानी पहुंच गया है। नदी के आसपास के क्षेत्रों में जलभराव बढ़ने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। गोमती के बढ़ते पानी ने राजधानी के नदी किनारे

कई रिहायशी इलाकों में पानी घुसा

गोमती के किनारे और निचले क्षेत्रों में स्थित कई कॉलोनियों में पानी भरने की स्थिति पैदा हो गई है। कुछ स्थानों पर लोगों ने अपने जरूरी सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है। जिन घरों और गलियों में पानी का स्तर बढ़ रहा है, वहां परिवारों के सुरक्षित निकलने की कोशिशें जारी हैं। बाढ़ के कारण कई इलाकों में आने-जाने में भी परेशानी हो रही है। सड़कों पर पानी जमा होने से वाहन चालकों और पैदल आने-जाने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ जगहों पर स्थानीय लोगों ने खुद भी राहत और बचाव के प्रयास शुरू किए हैं।

प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी

गोमती नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए प्रशासन और संबंधित विभागों ने संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। बाढ़ की स्थिति पर नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। प्रशासन की ओर से लोगों से अपील की जा रही है कि वे नदी के किनारे, जलभराव वाले क्षेत्रों और कमजोर संरचनाओं के आसपास जाने से बचें। विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों को ऐसे इलाकों से दूर रखने की सलाह दी गई है।

बसे इलाकों में चिंता बढ़ा दी है। लोगों को आशंका है कि यदि जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो और अधिक कॉलोनियां प्रभावित हो सकती हैं। फिलहाल प्रशासन की प्राथमिकता प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा,

जलभराव वाले इलाकों में राहत पहुंचाना और स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखना है। आने वाले घंटों में गोमती के जलस्तर में होने वाला बदलाव लखनऊ में बाढ़ की स्थिति की गंभीरता तय करेगा।

50 करोड़ की हेरोइन बरामद, चार गिरफ्तार दिल्ली पुलिस ने अंतरराज्यीय ड्रग्स नेटवर्क का किया भंडाफोड़, जानकीपुरम में मिली कथित अवैध फैक्ट्री

एजेंसी

नई दिल्ली/लखनऊ। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली-NCR से उत्तर प्रदेश तक फैले एक अंतरराज्यीय हेरोइन सप्लाय और निर्माण नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। रोहिणी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के कब्जे से कुल 7.076 किलो हेरोइन बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 50 करोड़ रुपये है। बाबलू से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने नेटवर्क के मुख्य सप्लायर और फैक्ट्री के मालिक रुकसार अली उर्फ राजू की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने करीब 120 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद उसे बरेली से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, रुकसार पहले भी तीन एनडीपीएस मामलों में शामिल रहा है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह पूरा नेटवर्क दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ था। नेटवर्क में एक तरफ तैयार हेरोइन दिल्ली-एनसीआर में सप्लाय की जा रही थी, वहीं दूसरी तरफ लखनऊ में हेरोइन तैयार की जा रही थी। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े दूसरे लोगों, हेरोइन की सप्लाय के लिए इस्तेमाल होने वाले पैसों के लेन-देन और ड्रग बनाने के लिए कच्चा माल कहां से खरीदा जाता था, इसकी जानकारी जुटा रही है।



जांच से सामने आई नेटवर्क की कड़ियां

पुलिस ने बताया कि कार्रवाई की शुरुआत सितंबर में ड्रग्स की आवाजाही की सूचना मिलने के बाद हुई थी। जांच और तकनीकी निगरानी के जरिए पुलिस कथित मुख्य सप्लायर तक पहुंची। अलग-अलग कार्रवाई में आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से हेरोइन बरामद की गई। लखनऊ में छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने कथित मुख्य सप्लायर रुकसार अली उर्फ राजू को बरेली से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, नेटवर्क में सप्लाय, परिवहन और निर्माण से जुड़े अलग-अलग लोग शामिल थे। दिल्ली पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों, ड्रग्स की सप्लाय के रास्तों और आर्थिक लेन-देन की जांच कर रही है।

जानकीपुरम में मिली कथित ड्रग फैक्ट्री

पुलिस की जांच के दौरान लखनऊ के सीता कॉलोनी, जानकीपुरम में कथित तौर पर चल रही हेरोइन निर्माण इकाई का पता चला। 4 अक्टूबर को यहां छापेमारी की गई, जिसमें 6.275 किलो ताजा तैयार हेरोइन बरामद हुई। इसके अलावा पुलिस ने ड्रग्स तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और उपकरण भी जब्त किए। पुलिस के अनुसार, मौके से सोडियम, एसिटिक एनहाइड्राइड, गैस सिलेंडर, मिक्सर ग्राइंडर, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक कांटा और अन्य सामान बरामद किया गया।

अखिलेश जिन मुस्लिम नेताओं का टिकट काटेंगे, ओवैसी उन्हें चुनाव लड़ाएंगे: 200 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का दावा

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी के साथ संभावित गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि सपा के साथ गठबंधन नहीं हुआ तो उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी की नजर प्रदेश की करीब 200 विधानसभा सीटों पर है। उन्होंने यह भी दावा किया कि यदि सपा प्रमुख अखिलेश यादव कुछ मुस्लिम नेताओं को टिकट नहीं देते हैं, तो एआईएमआईएम ऐसे नेताओं को चुनाव मैदान में उतार सकती है। ओवैसी के बयान के बाद यूपी में विपक्षी गठबंधन की राजनीति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।



एआईएमआईएम की ओर से लगातार यह संकेत दिया जा रहा है कि पार्टी विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी अपने संगठन और संभावित उम्मीदवारों को लेकर तैयारियां कर रही है। हालांकि सपा के साथ गठबंधन को लेकर अभी अंतिम फैसला सामने नहीं आया है। एआईएमआईएम के इस रुख को उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं के बीच अपनी

सपा के लिए बढ़ सकती है चुनौती

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, यदि सपा और एआईएमआईएम के बीच गठबंधन नहीं होता और ओवैसी की पार्टी करीब 200 सीटों पर चुनाव लड़ती है, तो कई विधानसभा क्षेत्रों में विपक्षी वोटों के बंटवारे का असर चुनावी नतीजों पर पड़ सकता है। हालांकि चुनाव में अभी समय है और गठबंधन तथा सीटों के बंटवारे को लेकर तस्वीर आगे और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

राजनीतिक पकड़ बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी पहले भी प्रदेश के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ चुकी है। यदि एआईएमआईएम बड़ी संख्या में सीटों पर उम्मीदवार उतारती है, तो इसका सीधा असर उन सीटों पर पड़ सकता है जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या चुनावी समीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

बस ने ऑटो को टक्कर मारी, पिता-पुत्री की मौत

● पत्नी गंभीर घायल, लखनऊ से लौटते समय हुआ हादसा

अमृत उजाला संवाददाता

बाराबंकी। बाराबंकी के पलहरी में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक सड़क हादसा हुआ। अज्ञात बस की टक्कर से ऑटो सवार 40 साल के मन्ने और उनकी पांच साल की बेटी साईमा की मौके पर ही मौत हो गई। मन्ने की पत्नी गंभीर घायल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, परिवार ऑटो से जा रहा था। तभी बस ने टक्कर मारी और ऑटो बुरी तरह टूट गया। हम लोग तेज आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे तो व्यक्ति और उसकी बेटी बेहोश थे। पत्नी गंभीर घायल थी। पुलिस को मौके पर बुलाया गया। तीनों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने पिता-बेटी को मृत बता दिया। पत्नी की हालत गंभीर है। ऑटो चालक और और आरोपी बस चालक



मौके से फरार हो गया। हादसे में घायल पत्नी ने बताया, हम लोग लखनऊ से लौट रहे थे, तभी बस ने ऑटो को तेजी से टक्कर मार दी। हम लोग दबा लेने गए थे। हादसे में मेरा पूरा परिवार खत्म हो गया। हादसे के बाद बस चालक गाड़ी लेकर भाग गया। लोगों ने पुलिस को खबर दी। नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव काम शुरू किया।

घायल महिला को तुरंत जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत गंभीर है। पुलिस ने शवों को अपने पास लेकर कार्रवाई शुरू की। फरार बस और चालक की तलाश जारी है, जिसके लिए सीसीटीवी फुटेज भी देखी जा रही है। पिता-बेटी की मौत से परिवार में दुख है। पुलिस जांच कर रही है।



‘रात 10 बजे भी हर महिला की सुरक्षा पक्की करें’ हालिया दुष्कर्म मामलों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में हाल के दुष्कर्म के मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि महिलाओं को दिन ही नहीं, बल्कि रात 10 बजे भी सुरक्षित महसूस होना चाहिए। पुलिस की जिम्मेदारी है कि शहर में ऐसा माहौल बनाया जाए कि अपराध करने वालों के मन में कानून का भय हो। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है। अपराधों को रोकने के लिए पुलिस की मौजूदगी और निगरानी ऐसी होनी चाहिए कि अपराधियों में कानून का डर पैदा हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल अपराध होने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करना नहीं होना चाहिए, बल्कि अपराध होने से पहले उसे रोकना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए पुलिस की गश्त, निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। अदालत ने हाल के मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जवाब मांगा और कहा कि महिलाओं की



‘महिलाओं को सुरक्षा का भरोसा होना चाहिए’

सुनवाई के दौरान अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली में रहने वाली महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त होना चाहिए। चाहे दिन हो या देर रात, उन्हें बिना भय के आने-जाने का अधिकार है। अदालत ने दिल्ली पुलिस से पूछा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए जा रहे हैं। कोर्ट ने पुलिस व्यवस्था में सुधार और संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी की जरूरत बताई।

दिल्ली पुलिस से जवाबदेही तय करने पर जोर

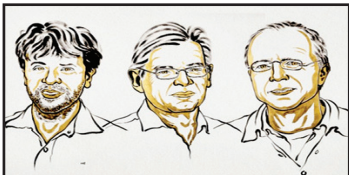
सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली पुलिस से महिलाओं की सुरक्षा के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी देने को कहा। अदालत ने स्पष्ट किया कि राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा केवल कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसका असर जमीन पर भी दिखाई देना चाहिए। कोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बाद दिल्ली में महिला सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस गश्त और अपराध रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर एक बार फिर गंभीर चर्चा शुरू हो गई है।

सुरक्षा को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती।

नोबेल 2026 : कार्ल डाइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नागेल को चिकित्सा क्षेत्र में सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली। 2026 के नोबेल पुरस्कारों का ऐलान सोमवार से शुरू हो गया। सबसे पहले फिजियोलॉजी या मेडिसिन क्षेत्र के विजेताओं के नाम की घोषणा की गई। इस बार तीन वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से नोबेल पुरस्कार दिया गया है। इनके नाम कार्ल डाइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज



नागेल हैं। समिति के मुताबिक लाइट-गेटेड आयन चैनलों और ऑप्टोजेनेटिक्स से जुड़ी उनकी खोजों यानी रोशनी से दिमाग की नसों

को नियंत्रित करने का तरीका खोजने के लिए सम्मानित किया गया है। इस तकनीक से रोशनी की मदद से जीवित कोशिकाओं, खासकर मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं (न्यूरॉन्स) की गतिविधि को नियंत्रित और समझा जा सकता है। डाइसेरोथ अमेरिका के, हेगेमान जर्मनी और नागेल जर्मनी से हैं। समिति ने इस खोज के पीछे की सोच पर प्रकाश डाला।

जीएसटी के अगले चरण के सुधारों से कारोबार करना होगा और आसान, अनुपालन प्रक्रिया होगी सरल: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का अगला चरण कारोबारियों के लिए अनुपालन को और आसान बनाएगा तथा रिफंड प्रक्रिया को अधिक सरल और तेज करेगा। उन्होंने कहा कि इससे उद्योग जगत का विश्वास बढ़ेगा, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और ‘विकसित भारत’ के लक्ष्य को मजबूत आधार मिलेगा। प्रधानमंत्री ने यह बात वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस लेख का उल्लेख करते हुए कही, जिसमें उन्होंने अगले चरण के जीएसटी सुधारों की रूपरेखा प्रस्तुत की है। पीएम मोदी ने कहा कि नई पीढ़ी के जीएसटी सुधार कर प्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी और पूर्वानुमान योग्य बना रहे हैं,



जिससे व्यवसायों और परिवारों दोनों को लाभ मिल रहा है। वित्त मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर कहा कि नेक्स्ट-जेन जीएसटी करदाताओं को राहत देने और अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने, दोनों लक्ष्यों को एक साथ हासिल कर रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी सुधारों का मुख्य फोकस रजिस्ट्रेशन, रिटर्न फाइलिंग, रिफंड, विवाद निपटान और इनपुट टैक्स क्रेडिट

(आईटीसी) की प्रक्रियाओं को सरल बनाना होगा। जीएसटी परिषद की 7 अक्टूबर को होने वाली बैठक से पहले सीतारमण ने अपने लेख में कहा कि प्रस्तावित प्रक्रिया सुधारों का उद्देश्य करदाताओं के अनुपालन में लगे वाले समय और लागत को कम करना है। सरकार चाहती है कि कारोबारी वर्ग को कम कागजी कार्रवाई और अधिक सुविधा मिले। वित्त मंत्री ने सितंबर 2025 में लागू हुई दर युक्तिकरण प्रक्रिया के बाद जीएसटी संग्रह और कर योग्य आपूर्ति के प्रदर्शन का भी उल्लेख किया। सरकार का मानना है कि जीएसटी ने राजस्व संग्रह को मजबूत करने के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है। इस बीच, आगामी जीएसटी परिषद की बैठक में एक महत्वपूर्ण कानूनी मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है।

मनोरंजन

‘बंदिश बैडिट्स’ वाली तमन्ना शर्मा की बड़ी छलांग, आयुष्मान खुराना की ‘मुपापा’ में एंट्री



मुंबई। ‘बंदिश बैडिट्स’ के दोनों सीजन में तमन्ना शर्मा के किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली अभिनेत्री श्रेया चौधरी अब बड़े पर्दे पर एक नई शुरुआत करने जा रही हैं। खास बात यह है कि उनका यह थिएट्रिकल डेब्यू आयुष्मान खुराना के साथ होगा। श्रेया और आयुष्मान जल्द ही फिल्म ‘मुपापा’ में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे, जो 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ‘मुपापा’ में श्रेया के किरदार और कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी ज्यादातर डिटेल्स को अभी सीक्रेट रखा है। ऐसे में श्रेया और आयुष्मान की जोड़ी को किस तरह की कहानी में दिखाया जाएगा, इसे लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बनी हुई है। अभिनेत्री को वाईआरएफ टैलेंट ने एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट के लिए साइन किया है। इसे उनके प्रोफेशनल सफर में एक नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। श्रेया ने अब तक वेब सीरीज और फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाई है और अब वह थिएट्रिकल फिल्मों की ओर आगे बढ़ रही हैं। ‘मुपापा’ का निर्देशन समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म को यशराज फिल्मस के सीईओ अक्षय विधानी और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। ‘मुपापा’ यशराज फिल्मस और पोशम पा पिक्चर्स की पहली थिएट्रिकल साझेदारी है। श्रेया चौधरी की बात करें, तो उन्होंने साल 2017 में फिल्म ‘डियर माया’ से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। फिल्म में उन्होंने इरा का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन उन्हें पहचान ‘बंदिश बैडिट्स’ से मिली। इस सीरीज में उन्होंने तमन्ना शर्मा का रोल निभाया था। तमन्ना एक पॉप स्टार हैं, जो क्लासिकल और मॉडर्न म्यूजिक की दुनिया के बीच अपनी पहचान बनाने की कोशिश करती हैं। श्रेया के इस किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके अलावा श्रेया शॉर्ट फिल्म ‘द अदर वे’ में भी नजर आ चुकी हैं। वह ‘द मेहता बॉयज’ में जारा का किरदार भी निभा चुकी हैं। अब ‘मुपापा’ के जरिए उन्हें थिएटर के बड़े पर्दे पर खुद को एक नए अंदाज में पेश करने का मौका मिला है।

अपना घर, अपनी पहचान

अपना सपना, अब आपके अपने प्लॉट पर!

Apna Ghar, Apni Pehchan
LAXMI VIHAR Ke Saath!
Zila Panchayat Lucknow Approved

कीमत शुरू मात्र
₹1799/-
प्रति वर्ग फुट (कुल)

- ✓ जिला पंचायत लखनऊ द्वारा स्वीकृत
- ✓ गेटेड कम्युनिटी
- ✓ चौड़ी सड़कें
- ✓ बिजली एवं पानी की सुविधा
- ✓ हरियाली से भरपूर वातावरण

जमीन खरीदना खर्च नहीं, भविष्य को सुरक्षित करने का सबसे अच्छा तरीका है।

आज निवेश करें, कल सुरक्षित भविष्य बनाएं!

9580456295

सुरक्षित आपका भविष्य | परिवार के लिए सर्वोत्तम | उच्च निवेश का अवसर | कानूनी रूप से पारदर्शी

☎ Laxmi Vihar, 📍 गोसाईगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश